फरीदाबाद

मजदूर समाचार

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.com >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

राहें तलाशने-बनाने के लिए मजदूरों के अनुभवों व विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

नई सीरीज नम्बर 260 | 1/– | फरवरी 2010

चीन में उथल-पुथल

✱ उथल-पुथल, बढती उथल-पुथल समाज में व्यापक परिवर्तन, मूल परिवर्तन के लिये अनिवार्य आवश्यकता है। मन्थन को गति प्रदान करती, पुरानी प्रस्थापनाओं को काटती-छाँटती-तराशती-पुष्ट करती-नकारती और नई प्रस्थापनाओं को जन्म देती उथल-पुथल, पौराणिक कथा के शब्दों में कहें तो गरल और अमृत संग-संग लिये होती हैं। नकारात्मक और सकारात्मक में भेद करना, पहचानना, स्वीकार और अस्वीकार करना आवश्यक हैं। ✱ विश्व-भर में व्यापक स्तर पर ऊहापोह, असन्तोष, हलचलें, उथल-पुथल अब सामान्य स्थिति बन गई है। मजदूरों के सम्मुख अत्याधिक अनिश्चितता व असुरक्षा, कार्य की गति के बढते जाना, शरीर को एक स्थिति में रख दीर्घकाल तक उबाऊ व बोझिल काम का विस्तार, कभी-भी बेरोजगारों की कतारों में धकेल दिये जाने का सार्विक बनना, कार्य-स्थलों तथा निवास स्थानों पर तन व मन की बीमारियों का फैलते जाना। ✱ किसानों, दस्तकारों, दुकानदारों के दिवालिया होने की गति का अधिकाधिक तीव्र होना। बढती हताशा-निराशा द्वारा आत्महत्या करने और आत्मघाती बम बनने की अतियों को उल्लेखनीय बनाना। इन अतियों के बीच स्वयं को काटना, इर्ध-गिर्द वालों को लहुलुहान करना और बढते अकेलेपन द्वारा महामारी का रूप धारण करना। ✱ विकल्प-विकल्प-विकल्प समवेत स्वर बनने को अग्रसर है। पूरे संसार में मजदूरों की हलचलें शुभ संकेत हैं। किसानों, दस्तकारों, दुकानदारों की उल्लेखनीय संख्या वाले क्षेत्रों में मजदूरों के कदमों का विशेष महत्व है। ब्राजिल, नाइजीरिया, मिश्र, पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, चीन, इण्डोनेशिया ऐसे क्षेत्रों में प्रमुख स्थान रखते हैं। पिछले वर्ष, 2009 में चीन में मजदूरों की हलचलों का एक संक्षिप्त विवरण एक मित्र से मिला है, उसे देखिये।

जनवरी2009: आनहुई प्रान्त में 2,000 निर्माण मजदूरों ने बकाया तनखा के लिये यांग्त्जे नदी पर सेतु पर आवागमन रोक दिया। पाँच सौ पुलिस वालों से टकराव में 10 मजदूर घायल हुये। बकाया तनखा का भुगतान कर दिया गया। ●राजधानी बीजिंग में निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कम्पनी गोम कैपिटल के मुख्यालय पर 100 मजदूरों ने एकत्र हो कर बकाया तनखा माँगी। गोम कम्पनी ने कहा कि पैसे ठेकेदार कम्पनी को दे दिये हैं। ●शेनजेन में 2, 000 महिला मजदूरों ने दो महीनों की बकाया तनखा के लिये 8 जनवरी को सोफा फैक्ट्री में काम बन्द किया। फिर 15 जनवरी से फैक्ट्री के अन्दर धरना। श्रम विभाग ने 23 जनवरी को बकाया तनखा देने के आदेश दिये।

फरवरी: बीजिंग में सैंकड़ों बैंक कर्मियों द्वारा प्रदर्शन को पुलिस ने भंग किया। सम्पर्क रोकने के लिये अगले दिन प्रदर्शनकारियों के मोबाइल फोन बन्द किये फिर भी अगले दिन प्रदर्शन। ●सिचुआन प्रान्त में जिगोंग कपड़ा फैक्ट्री की 1,000 महिला मजदूर पुलिस से भिड़ी। छह घायल हुई। इन मजदूरों ने दिसम्बर में एक सड़क बन्द की थी। ●बीजिंग में पैनासोनिक के 600 मजदूरों ने तीन प्रबन्धकों को बन्दी बनाया। विश्व-भर में 15,000 मजदूरों को निकालने में प्रयासरत पैनासोनिक कम्पनी कहती है कि बीजिंग में पर्याप्त संख्या में नौकरी छोड़ने को लोग आगे नहीं आ रहे।

मार्च : शांक्सी प्रान्त की जिंगबिआन में राष्ट्रीय पैट्रोलियम निगम के मजदूरों और पुलिस में भिड़न्त हुई। बीस मजदूर और 26 पुलिस वाले घायल हुये। ●हेनान प्रान्त के लिनझाऊ में 1,000 इस्पात कम्पनी मजदूरों ने बकाया वेतन आदि के लिये सड़क बन्द की।

अप्रैल : आनहुई प्रान्त के फेंगताई में 5,000 गाँव वालों ने गुबेई कोयला खदान को घेर कर हमला किया। खदान द्वारा जमीन खराब करने का विरोध कर रहे गाँववाले पुलिस से भिड़े। पुलिस की गाड़ी ध्वस्त, स्थानीय अधिकारी घायल। ●बकाया वेतन के भुगतान के लिये बीजिंग में 20 निर्माण मजदूरों ने एक इमारत पर कब्जा किया। ●हुनान प्रान्त के पुएयांग में 1,000 टैक्सी ड्राइवरों ने अधिक किराये के विरोध में गाड़ियाँ नगर निगम कार्यालय के सामने खड़ी की। दूसरे दिन यह हड़ताल और फैली। ●चोंगकिंग में जिन्दी ग्रुप की कपड़ा फैक्ट्री के 400 मजदूरों ने बकाया तनखा के लिये एक प्रमुख सड़क बन्द की।

मई : हुनान प्रान्त के लिलिंग में हजारों गाँव वाले निर्माण कम्पनी वालों और पुलिस से भिड़े। कई पुलिस वाले घायल हुये और एक गाँव वाला मारा गया। ●4 मई को वेतन में 30 प्रतिशत कटौती और लक्ष्य बढाने के खिलाफ चीन में सबसे बड़े इन्टरनेट सर्च इंजन ऑपरेटर के खिलाफ बैदू में हड़ताल आरम्भ हुई। शेनजेन और ग्वांगझाऊ में श्रम विभाग कार्यालयों पर प्रदर्शन हुये। ●हेनान प्रान्त के लुओयांग में 2,000 सैनिकों ने कार्य तथा वेतन समस्याओं के समाधान के लिये नगर निगम कार्यालय के सम्मुख 4 घण्टे प्रदर्शन किया। ● तिआनजिन में 1,000 निर्माण मजदूरों ने बकाया तनखा के लिये सड़क बन्द की। ●शानडोंग प्रान्त के तेंगझाऊ में 1,000 टैक्सी ड्राइवरों और उनके परिजनों ने नगर निगम कार्यालय पर धावा बोला।

जून : सिचुआन प्रान्त के बाझोंग में बस ड्राइवरों ने कम तनखा, अधिक काम के घण्टे, सुरक्षा के खराब स्तर के खिलाफ काम बन्द किया। अधिकारियों ने पड़ोसी शहरों के ड्राइवरों के बराबर तनखा का आश्वासन दिया। ●किंघाई प्रान्त के क्सिनिंग में 5,500 टैक्सी ड्राइवरों ने हड़ताल की। ●गुआंगडोंग प्रान्त के शाओगुआन में खिलौने बनाने वाली फैक्ट्री में धर्म-प्रान्त के आधार पर महिला मजदूरों के बीच लड़ाई हुई। एक सौ घायल हुई और दो की मृत्यु।

जुलाई : वुहान में बॉयलर कम्पनी के 1,000 मजदूरों ने नई फैक्ट्री में कम वेतन में भर्ती के विरोध में एक प्रमुख सड़क बन्द की। ●जिआंगसी प्रान्त के नानकांग में नई कर व्यवस्था के विरोध में 20,000 ने प्रदर्शन किया। पुलिस की 4 गाड़ियाँ ध्वस्त। ●हेइलोंगजिआंग प्रान्त के किकिहार में 3,000 सेवानिवृत कागज फैक्ट्री मजदूरों और परिजनों ने पेन्शन समस्याओं तथा भ्रष्टाचार के विरोध में सरकारी इमारतों पर धावा बोला। पुलिस और सुरक्षाकर्मियों से टकराव में 30 प्रदर्शनकारी घायल हुये। ●जिलिन प्रान्त के टोंघुआ में सरकारी इस्पात फैक्ट्री के 30,000 मजदूरों ने अन्य कम्पनी को फैक्ट्री सौंपने का विरोध किया। मैनेजर मारा गया। सरकार ने कदम वापस लिया। ●शेनजेन नगर में तीव्र निर्माण के दौरान जमीन के नीचे कार्य करते समय फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त हुये 120 मजदूरों ने अधिक क्षतिपूर्ति के लिये नगर निगम कार्यालय पर धरना दिया। *(बाकी पेज चार पर)*

अगस्त : हेनान प्रान्त के अनयांग में सरकारी इस्पात फैक्ट्री को छटनी योजना के संग एक

कानून हैं शोषण के लिये, छूट है कानून से परे शोषण की

एस्ट्रोन पोलीमर मजदूर : " प्लॉट 3-4 डी एल एफ इन्डस्ट्रीयल एस्टेट स्थित फैक्ट्री में काम करती 40 महिला हैल्परों की तनखा 2200 और पुरुष हैल्परों की 2400 रुपये। ऑपरेटरों की तनखा 3000-3500 रुपये। यहाँ 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ***एल जी इलेक्ट्रोनिक्स, एस्कोर्ट्स, हेल्ला, निओलाइट*** के रबड़ कम्पोनेन्ट्स बनते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। सवा दो सौ मजदूरों में 60 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं।"

रिलायन्स फोर्ज श्रमिक : "डबुआ-पाली रोड़ स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3000 रुपये। महीने में 100-120 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। तनखा देरी से, 15 तारीख के बाद और वह भी दो किस्तों में। चालीस मजदूर हैं – ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। पहले नाम ***शान्ति फोरजिंग*** था।"

कोहिनूर रबड़ कामगार : "26 बी इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3000-3200 रुपये। ड्युटी 12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से। साप्ताहिक अवकाश के दिन बुधवार को भी 8-10 घण्टे काम। यहाँ ***मारुति सुजुकी*** कार और ***इन्टरनेशनल ट्रैक्टर*** के होज पाइप बनते हैं। उल्टा-सीधा बोलते हैं, गाली देते हैं, मारपीट भी। महिला मजदूरों को भी कई बार पुरुष शौचालय में जाना पड़ता है।"

शिवालिक प्रिन्ट्स वरकर : " प्लॉट 47-48 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में 10 स्थाई मजदूर, 600 कैजुअल वरकर और नौ ठेकेदारों के जरिये रखे 950 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ***ऋचा, राय फैशन, पैरामाउण्ट, ओरियन्ट क्रा कनिका एक्सपोर्ट, ऋचा ग्लोबल, आर एम पी, के एस*** आदि 35-40 पार्टियों के कपड़ों की रंगाई तथा छपाई करते हैं। कैजुअल वरकरों की तनखा 3912 रुपये है पर पता नहीं किस हिसाब से पी.एफ. के 300 और ई.एस.आई. के 100 रुपये काटते हैं। ई.एस.आई. कार्ड देते ही नहीं, फण्ड कुछ मिल जाता है। कैजुअल लगातार काम करते रहते हैं पर कम्पनी हर 6 महीने कागजों में ब्रेक दिखाती रहती है। ओवर टाइम सिंगल रेट से और महीने में 1500-2000 रुपये का। कैजुअलों को 7-8 तारीख को तनखा नकद देते हैं। स्टाफ के भी 50-60 लोगों की तनखा 5000 से कम है, 4000-4500 रुपये है और उन्हें भी नकद देते हैं। ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों को 12 घण्टे के 150 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं, तनखा 20 तारीख को जा कर – ग्रुप 4 के गार्डों की भी 12-12 घण्टे की शिफ्ट हैं पर उनकी तनखा ए टी एम से। कैजुअलों को 12 घण्टे में 3 कप चाय देते हैं, ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों को एक कप भी नहीं। लगातार 36 घण्टे रोकने पर कैजअलों को रोटी के पैसे नहीं देते, ठेकेदारों के जरिये रखों को 25 रुपये देते हैं। हाजिरी में गड़बड़ी करते हैं, कैजुअलों और ठेकेदारों के जरिये रखों की महीने में एक-दो दिहाड़ी खा जाते हैं। इधर लगी एक नई मशीन, सी बी आर कई नौकरियों का सफाया करेगी। हर 15 दिन पर प्रदूषण वालों की गाड़ी सीधी फैक्ट्री के अन्दर आ कर खड़ी होती – बॉयलर पर जाते (ईंधन के तौर पर भूसा झौंकते हैं), रसायन-युक्त पानी देखते, रिश्वत लेते..... साहब के एक बन्दे को कम्पनी ने सुपरवाइजर लगा दिया, तीन महीने से प्रदूषण वाले फैक्ट्री में झाँकने नहीं आते।

" एस पी एल इन्डस्ट्रीज की सैक्टर-6 में ही प्लॉट 21 स्थित फैक्ट्री में महीने में 150-240 घण्टे ओवर टाइम। भुगतान सिंगल रेट से और नवम्बर में किये ओवर टाइम के पैसे 11 जनवरी को दिये। बुनाई की बड़ी-बड़ी 53 मशीनें हैं जिनमें से कुछ को प्लॉट 7 तथा 39 में भी लगा रखा है। कम्पनी के प्लॉट 22 में चार हजार से ज्यादा मजदूर काम करते हैं – 3000 तो सिलाई मशीन हैं।"

पी पी रोलिंग मिल मजदूर : " प्लॉट 39 तथा 43 सैक्टर-27 सी और 12/6 मथुरा रोड़ पर भास्कर एस्टेट में स्थित कम्पनी की फैक्ट्रियों में 500 मजदूर दिन की 11½ घण्टे और रात की 12½ घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। रोलिंग मिलें 85 लाख से 16 करोड़ रुपये की और महीने में 50 करोड़ रुपये के करीब की बनती हैं। स्थाई मजदूर बहुत ही कम हैं, वर्षों से लगातार काम कर रहों को कैजुअल वरकर कहते हैं। ढाई सौ कैजुअलों में हैल्परों की तनखा 2800-3200 (साल-भर से, पहले 1800-2000 रुपये थी) और कारीगरों की 3500-5000 रुपये। कैजुअल वरकरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। चोट लगने पर कैजुअलों का कम्पनी प्रायवेट में उपचार करवाती है – थोड़ी चोट पर सराय में एक डॉक्टर के यहाँ और ज्यादा चोट पर एस्कोर्ट्स फोर्टिस अस्पताल में। हाँ, कैजुअलों को अब बीस प्रतिशत बोनस, साप्ताहिक छुट्टी, वर्दी (बिना जूते के) और छोड़ने पर प्रतिवर्ष 15 दिन अनुसार हिसाब देते हैं। ओवर टाइम के पैसे सवा की दर से। ठेकेदारों के जरिये रखे हैल्परों को 8 घण्टे रोज पर 30 दिन के 3500 रुपये, ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं पर साप्ताहिक छुट्टी नहीं, बोनस नहीं, वर्दी नहीं।"

एस एच इन्टरप्राइजेज श्रमिक : " 58 ए इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2700 और ऑपरेटरों की 2900-4200 रुपये। सुबह 8½ से रात 9 तक काम – इधर ठण्ड के कारण रात 8 बजे छुट्टी कर लेते हैं। बिजली कटौती के कारण बुधवार को साप्ताहिक अवकाश – महीने में तीन बुधवार भी 8-8 घण्टे काम। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।"

एस के एम इंजिनियरिंग वर्क्स कामगार : " हिरदय राम कॉलोनी, मुजेसर स्थित वर्कशॉप में काम करते 25 मजदूरों में हैल्परों की तनखा 2500 और ऑपरेटरों की 2700 रुपये। ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। ***ऑटो लैक, पैन अल्फा, अनमोल ऑटो, महिन्द्रा*** के लिये सैल्फ मोटर की बॉडी 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में बनती हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। तनखा देरी से, दिसम्बर की 15 जनवरी को दी। पीने का पानी है ही नहीं – पौच खरीदो। शौचालय बहुत गन्दा – महिला मजदूरों को बाजू की फैक्ट्री में जाना पड़ता है। गाली देते हैं, मारपीट भी।"

फ्लैश इलेक्ट्रोनिक्स वरकर : " प्लॉट 8-9 सैक्टर-27 बी स्थित फैक्ट्री में कैजुअल वरकरों में हैल्परों को 10 घण्टे रोज कार्य पर 26 दिन के 3840 रुपये। प्रेस ऑपरेटरों की तनखा 3000-4000 और सी एन सी ऑपरेटरों की 4500-5000 रुपये। दो शिफ्ट हैं, दिन में 8½ घण्टे की और रात को 12½ घण्टे की। महीने में दो साप्ताहिक अवकाश के दिन भी काम। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। यहाँ ***हीरो होण्डा, यामाहा, बजाज*** दुपहियों और ***आपे, जे बी, सी टी*** तिपहियों के पुर्जे बनते हैं। हजार-बारह सौ कैजुअल वरकरों में से हैल्परों को 7 महीने बाद बाहर कर देते हैं जबकि ऑपरेटर लगातार काम करते रहते है पर कागजों में कम्पनी ब्रेक दिखाती रहती है। कैन्टीन नहीं है, भोजन के लिये स्थान नहीं है और 8½ घण्टे, 12½ घण्टे में कम्पनी एक कप चाय भी नहीं देती। पीने का पानी ठीक नहीं। शौचालय गन्दे। फोरमैन गाली देते हैं, एक मैनेजर मार भी देता है। भुगतान में 100-1000 रुपये की गड़बड़ी कर देते हैं।"

एवन ट्यूबटैक मजदूर : " प्लॉट 42 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। महीने के तीसों दिन काम। साप्ताहिक अवकाश के बाद शिफ्ट बदलती है ऐसे में एक शिफ्ट के मजदूरों द्वारा साप्ताहिक अवकाश के दिन 24 घण्टे काम। रात को झपकी लेते वरकर की फोटो पर 7 दिन के पैसे काट लेते हैं। सुरक्षा कर्मी और प्रोडक्शन वरकर को एक-दूसरे की चुगली करने को कम्पनी प्रोत्साहित करती है। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। छत्तीस घण्टे लगातार ड्युटी होने पर 20 रुपये रोटी के देते हैं। फैक्ट्री में 60-70 स्थाई मजदूर, 100 कैजुअल वरकर और दो ठेकेदारों के जरिये रखे 250 मजदूर काम करते हैं। एक सौ कैजुअल वरकर ऑफ रोल हैं, अदृश्य मजदूर हैं, इनकी ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। हैल्परों की तनखा 3840 और ऑपरेटरों की 4000-4500 रुपये। कैन्टीन नहीं है, 12 घण्टे में स्थाई मजदूरों को दो कप चाय और कैजुअलों तथा ठेकेदारों के जरिये रखों को एक-एक कप चाय देते हैं। पीने का पानी ठीक नहीं है। साहब गाली देते हैं, मारपीट भी करते हैं।" ***(बाकी पेज चार पर)***

वी एक्स एल टैक्नोलॉजीज श्रमिक : " 20/3 मथुरा रोड़ स्थित फैक्ट्री में 1995 में सेना के लिये बमों के फ्यूज और इलेक्ट्रोनिक उपकरण बनाने वाले 400 स्थाई मजदूर थे जिनमें से अब 93 ही बचे थे और मैनेजमेन्ट ने फिर छँटनी आरम्भ कर दी है। बरखास्त, निलम्बन, स्थानान्तरण-पत्रों के जरिये 4 फरवरी तक कम्पनी ने 46 स्थाई मजदूरों तथा वर्कमैन स्टाफ को फैक्ट्री के बाहर धकेला। अक्टूबर 09 तक 16 सी एन सी मशीनें 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में चली और एक ऑपरेटर पर

गुड़गाँव में मजदूर

ऐनेक्सको टैक्नोलॉजी मजदूर : " 157 नौरंगपुर, गुड़गाँव स्थित कम्पनी की दूसरी फैक्ट्री में 10½-10½घण्टे की दो शिफ्टों में 260 मजदूर सीमेन्ट कारखानों का फैब्रिकेशन का कार्य करते हैं। सुबह 8 बजे लगने वाले महीने में 6 बार, 15 बार अगले दिन साँय 6½ तक कार्य करते हैं – 8 से साँय 6½और फिर अगली सुबह 4½तक, सुबह 8 तक फैक्ट्री में रहो, बाहर नहीं जा सकते, और फिर 8 से 6½तक ड्युटी। फैक्ट्री में लगातार 34½ घण्टे रहने पर 15 घण्टे ओवर टाइम। तीस स्थाई मजदूरों को ओवर टाइम का भुगतान डेढ की दर से और 180 कैजुअल तथा ठेकेदारों के जरिये रखे 50 वरकरों को सिंगल रेट से। लगातार 34½ घण्टे रोकते हैं तब दो वक्त भोजन तथा नाश्ते के लिये 56 रुपये देते हैं। साढे दस घण्टे की ड्युटी में तीन बार चाय। कैजुअल वरकरों की तनखा से ई.एस.आई. व पी.एफ. की राशि काटते हैं पर कार्ड नहीं देते और फण्ड नम्बर नहीं बताते – कोई मजदूर पी.एफ. नम्बर पूछता है तो उसे नौकरी से निकाल देते हैं। छोड़ने पर फण्ड का फार्म नहीं भरते – कोई मजदूर बहुत झगड़ा करता है तो कम्पनी उसे काटे हुये पैसे दे देती है।"

ऋचा ग्लोबल श्रमिक : "232 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में ***ए के फैशनटैक*** ठेकेदार के जरिये फिनिशिंग विभाग में रखे 80 मजदूरों से 4044 रुपये तनखा पर हस्ताक्षर करवाते हैं जबकि वास्तव में तनखा 3600 रुपये है। ई.एस. आई. व पी.एफ. के 570 रुपये 3600 में से काटते हैं। ई.एस.आई. कार्ड 8-10 को ही दिये हैं और नौकरी छोड़ने पर फण्ड के पैसे मजदूर को नहीं मिलते। सुबह 9½से रात 8-10 तक और रात 8¼ से अगली सुबह 7-9 की दो शिफ्ट हैं। साप्ताहिक छुट्टी नहीं। महीने में 100-150 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। यहाँ ***पोलो, असम्रा, चीकोज*** का माल बनता है। सुपरवाइजर गाली देते हैं।"

क्लासिक डायल कामगार : "367 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में कार्य करते 150 मजदूरों में 125 हैल्पर हैं और अधिकतर लड़कियाँ हैं। हैल्परों की तनखा 2500 रुपये। रोज 10½ घण्टे ड्युटी, ओवर टाइम सिंगल रेट से। महीन काम है – ***मैक्सिमा, टाइटन, सोनाटा, एच एम टी*** घड़ियों के डायल बनते हैं। ई.एस.आई. व पी. एफ. 25 से कम मजदूरों की हैं। छोड़ने पर 8-10 दिन किये काम के पैसे देते ही नहीं।"

टोरस होम फर्निशिंग वरकर : "418 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में 9 घण्टे रोज पर 30 दिन के हैल्परों को 3000 और सिलाई कारीगरों को 3800-4000 रुपये देते हैं। महीने में 150-200 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से भी कम। रात 2 बजे तक रोकते हैं तब रोटी के लिये 30 रुपये देते हैं पर उन से पेट नहीं भरता। वर्ष के 365 में से 360 दिन तकिया-रजाई का काम। ढाई सौ मजदूरों में किसी की भी ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं हैं – तनखा से नहीं काटते, अलग से करते होंगे तो पता नहीं। शौचालय बहुत ही गन्दा।"

एस एस इन्टरनेशनल मजदूर : "821 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2800 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। सिलाई कारीगरों को 8 घण्टे के 135-150 रुपये। सुबह 9½ से रात 1 तक हर रोज ड्युटी। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। छोड़ने पर 10-15 दिन किये काम के पैसे नहीं देते। शौचालय गन्दे।"

नीते क्लोथिंग श्रमिक : "218 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में धागे काटती 30-40 महिला मजदूरों की तनखा 2700 रुपये, ई.एस. आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। एक सौ सिलाई कारीगरों की भी ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं। सुबह 9 से रात 10 तक काम – महिला मजदूरों को भी रात 10 तक जबरन रोकते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। छोड़ने पर 10-15 दिन किये काम के पैसे नहीं देते। गाली देते हैं।"

धीर इन्टरनेशनल कामगार : "299 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 1 की ड्युटी रोज है – महिला मजदूरों को रात 9½ छोड़ देते हैं। रविवार को सुबह 9 से रात 9 तक काम और फिर सोमवार सुबह 9 तक भी रोक लेते हैं। महीने में 180-200 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से भी कम – 15 रुपये प्रतिघण्टा, और इस प्रकार जो पैसे बनते हैं उन में से भी 400-500 रुपये खा जाते हैं। वेतन हर महीने देरी से, 13-14 जनवरी को मजदूरों ने काम बन्द किया तब दिसम्बर की तनखा 20 जनवरी को दी। धागे काटने वाली महिला मजदूरों की तनखा 3000-3800 रुपये और सिलाई कारीगरों की 4000-4100 रुपये। छह सौ मजदूरों में एक सौ से कम के ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं। शौचालय गन्दे। गाली देते हैं।"

जय स्विच वरकर : "407 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में ओवर टाइम के लिये जबरन रोकते हैं और उस दौरान चाय भी नहीं देते। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से और दिसम्बर में किये के पैसे आज, 30 जनवरी तक नहीं दिये हैं।"

पोद्दार एक्सपोर्ट मजदूर : "637 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में कटिंग विभाग में 4000 रुपये तनखा बता कर हैल्पर लगाया पर दी 3500 और ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। धागे काटने वाले मजदूरों की तनखा 3000-3200 रुपये। सुबह 9½से साँय 6½की शिफ्ट है पर रात 2 बजे तक रोकते हैं। महीने में 150 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। छोड़ने पर 800-900 रुपये तक नहीं देते। गाली देते हैं।"

कृष्णा लेबल श्रमिक : " 162 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में काम करते 450 मजदूर तीन ठेकेदारों के जरिये रखते हैं। तनखा से ई. एस.आई. व पी.एफ. की राशि काटते हैं। नौ महीने बाद नौकरी छोड़ कर फण्ड का फार्म भरवाने गया तो मैनेजर बोला कि ठेकेदार से भरवाओ जबकि ठेकेदार काम छोड़ गया है। आठ की बजाय 9 घण्टे कार्य पर सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देते हैं। छोड़ने पर 20 दिन तक किये काम के पैसे नहीं देते और कम्पनी से शिकायत करते हैं तो पे-स्लिप लाने को कहते हैं जबकि पे-स्लिप देते ही नहीं।"

कलमकारी एक्सपोर्ट कामगार : "280 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में सिलाई कारीगर वर्षों से लगातार काम कर रहे हैं पर कम्पनी हर 5-6 महीने में नया कार्ड बना देती है, ई.एस.आई. व पी.एफ. के नम्बर बदलते रहते हैं। महीने में 120 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान डेढ की दर से। फिनिशिंग विभाग में ठेकेदार के जरिये 55 मजदूर रखे हैं जिनमें धागे काटने वालों की तनखा 2500-2700, प्रेस करने वालों की 3000, दाग हटाने वालों की 3200 रुपये और ई.एस.आई. व पी.एफ. किसी मजदूर की नहीं। सुबह 8½ से रात 9½की ड्युटी हर रोज, रविवार को भी काम, कोई छुट्टी नहीं। महीने में 150-200 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। हर महीने जो बनते हैं उन में से 500 रुपये खा जाते हैं। जाँच वाले आते हैं उस समय 55 को बाहर निकाल देते हैं। चाय तक नहीं देते। गाली देते हैं।"

लोगवैल फोर्ज वरकर : "116 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में शियरिंग विभाग में वर्षों से 65 मजदूर कम्पनी ने स्वयं रखे हुये थे – दिवाली से पहले ठेकेदार के जरिये रखे वरकर करार दिया। एक दिन नहीं आने पर दूसरे दिन भगाने लगे – अब 30 ही रह गये हैं और 30 से 65 का काम करवाते हैं। वर्दी-जूते देते थे पर वर्ष 2009 में नहीं दिये। तीन वर्षीय समझौते वाली वेतन में बढोंतरी भी अब नहीं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की हैं, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।"

भोरजी सुपरटैक मजदूर : "272 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में 100 स्थाई मजदूरों को दिसम्बर की तनखा 20 जनवरी को जा कर दी और ठेकेदारों के जरिये रखे 200 वरकरों को आज, 30 जनवरी तक नहीं दी है। ठेकेदारों के जरिये रखे हैल्परों की तनखा 3000 रुपये। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। ई.एस.आई. व पी.एफ. के 554 रुपये तनखा से काटते हैं पर कार्ड नहीं देते और छोड़ने पर फण्ड नहीं मिलता। गाली देते हैं।"

एम डी एच मसाले श्रमिक : " 216 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में कम्पनी ने स्वयं 10-12 को और दो ठेकेदारों के जरिये 150 मजदूर रखे हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से देते हैं।"

इनस्टाइल वरकर : " 140 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3500 और सिलाई कारीगरों की 4000-4100 रुपये। महीने में 100 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। तनखा से ई.एस.आई. व पी.एफ. के पैसे काटते हैं पर छोड़ने पर फण्ड नहीं मिलता..... 18 महीनों के फण्ड के लिये फार्म भरवाया। भविष्य निधि कार्यालय ने 'पैसे जमा नहीं किये' लिख कर फार्म वापस भेज दिया।"

चीन में उथल-पुथल.....

(पेज एक का शेष)

कम्पनी को बेचने के खिलाफ मजदूरों ने काम बन्द किया और फैक्ट्री पर कब्जा कर लिया। हड़तालियों और पुलिस के बीच लड़ाई। ●शंघाई में एक कम्पनी द्वारा अल्युमिनियम फैक्ट्री सरकार को बेचने की योजना के खिलाफ मजदूरों ने हड़ताल की क्योंकि इससे तनखा में कटौती होगी। ●हुनान प्रान्त के वुगांग में 1,300 बच्चों के सीसा विष से पीड़ित होने पर स्थानीय निवासियों ने मैनगनीज फैक्ट्री को घेर लिया। पुलिस से झड़पें हुई। फैक्ट्री बन्द कर दी गई है। ●फुजिआन प्रान्त के फेंगवेई में बदबू का विरोध कर रहे स्थानीय निवासियों और अधिकारियों में टकराव। दस हजार लोगों द्वारा अधिकारियों को घेर लेने पर उन्हें छुड़ाने 2,000 पुलिस वाले भेजे गये। ●कम्प्युटर क्षेत्र की इनटेल कम्पनी ने शंघाई से फैक्ट्री सिचुआन प्रान्त के चेंगदु स्थानान्तरित की। चेंगदु में 500 मजदूरों ने शंघाई के बराबर वेतन, भत्ते, कार्यभार के लिये हड़ताल की। ●हुनान प्रान्त में 5,000 कोयला खदान मजदूरों ने 22 अगस्त को हड़ताल आरम्भ की, 2 सितम्बर तक जारी थी।

सितम्बर : लिआओनिंग प्रान्त के हुलुदाओ में 20,000 रसायन कारखाना मजदूरों ने बकाया तनखा और 5,000 की ले-ऑफ के विरोध में हड़ताल की और प्रमुख सड़कें बन्द कर दी। पुलिस से भिड़न्त। ●फुजिआन प्रान्त के जिआओयांग में बच्चों के रक्त में अधिक सीसा पाये जाने पर सैंकड़ों माता-पिताओं ने प्रदर्शन किया। सीसा विष का कारण निकट की बैट्री फैक्ट्री है।

अक्टूबर : हेबेई प्रान्त के लोंघुआ में 1,500 रसायन फैक्ट्री मजदूरों ने हड़ताल की और रेल लाइनों पर कब्जा कर लिया। मजदूरों को रेल लाइनों से हटाने के लिये 1,000 पुलिस वाले भेजे गये। टकराव में 10 मजदूर घायल हुये। ●शांक्सी प्रान्त के बाईजिआमाओ में एक सहकारी कोयला उद्यम पर एक कम्पनी के कब्जे का विरोध कर रहे लोगों पर कम्पनी के 100 किराये के बन्दों ने हमला किया जिसमें 4 लोग मारे गये और 14 घायल हुये। ●सिचुआन प्रान्त के चेंगदु में होटल निर्माण में लगे और कम्पनी द्वारा प्रदत निवासों में रह रहे 1,000 मजदूरों को तनखा का एक छोटा हिस्सा दिया जा रहा था। वर्ष-भर की बकाया राशि के लिये 50 मजदूर कम्पनी मुख्यालय गये तो कम्पनी ने बात करने की बजाय मजदूरों पर हमला करने बन्दे भेजे। ●तिआनजिन में एक 19 वर्षीय निर्माण मजदूर कार्य करते समय इतना घायल हुआ कि दो वर्ष काम नहीं कर सकेगा। नियोक्ता ने उपचार के 90,000 रुपये का बिल मजदूर को थमा दिया। साथी मजदूरों ने नगर अधिकारी कार्यालय जा कर विरोध किया – घायल मजदूर को 7 लाख 87 हजार रुपये दिये गये। ●युन्नान प्रान्त के बिनचुआन में एक कम्पनी के मजदूरों को असंतोषजनक निवासों में भेजे जाने का विरोध कर रहे 35,000 लोगों में से एक मारा गया तो 3,000 मजदूर भड़क गये। सरकारी कार्यालयों पर प्रहार करते मजदूरों ने सत्ताधारी दल के एक विद्यालय को ध्वस्त किया, पुलिस की दो गाड़ियाँ तोड़ दी। ●बीजिंग में आवेदन कार्यालय के सम्मुख प्रदर्शन कर रहे 1,000 सैनिकों की पुलिस से भिड़न्त हुई जिसमें 30 घायल हुये।

नवम्बर : सिचुआन प्रान्त के चेंगदु में विदेशी भाषाओं की 1,000 अध्यापिकाओं ने वेतन बढाने और कार्यस्थितियों में सुधार के लिये हड़ताल की। ●हेनान प्रान्त के हेकाऊ में अधोवस्त्र फैक्ट्री की 3,000 महिला मजदूरों ने परिस्थितियों के विरोध में हड़ताल की। ●हुबेई प्रान्त के दाऊ में नौकरी से निकाले गये 100 प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों ने आवेदन कार्यालय पर पेन्शन दावों के लिये अधिक फीस का विरोध किया और माँग की कि जो यह पैसे नहीं दे सकते उनकी फीस सरकार दे। ●सिचुआन प्रान्त के लुझाऊ में एक फैक्ट्री के 100 सेवानिवृत मजदूर पेन्शन बन्द किये जाने की मन्शा का पता चलने पर विरोध करने नगर निगम कार्यालय पहुंचे। एक सौ पुलिस वालों ने हमला किया जिसमें 70-80 वर्ष आयु के तीन सेवानिवृत मजदूर घायल हुये। ●फुजिआन प्रान्त के पुतिआन में 200 टैक्सी ड्राइवरों ने हड़ताल की। ●हेलिओंगजिआंग प्रान्त के हेगांग में कोयला खदान में 100 से अधिक मजदूरों की मृत्यु पर सूचना के अभाव का विरोध हुआ।

दिसम्बर 09 : गुआंगदोंग प्रान्त में सीमेन्ट पाइप फैक्ट्री के 300 मजदूरों की फैक्ट्री को लेने वाली नई कम्पनी के प्रतिनिधियों से भिड़न्त में 26 घायल हुये। ●आनहुई प्रान्त के फुयांग में बिना लाइसेंस वाले तिपहिया टैक्सी के 2,000 ड्राइवरों की पुलिस से लड़ाई हुई.....

सुरक्षा कर्मी

गार्ड : " निम्स अस्पताल के पास, संजय कॉलोनी, सैक्टर-23 में कार्यालय वाली ***चौकस सेक्युरिटी*** कम्पनियों को ड्राइवर और सुरक्षा कर्मी सप्लाई करती है। ज्यादातर गार्डों से 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करवाते हैं। साप्ताहिक अवकाश नहीं। रोज 12 घण्टे पर 30 दिन के 4500-5700 रुपये। तनखा हर महीने देरी से – दिसम्बर की 15 जनवरी को दी। लगातार 36 घण्टे ड्युटी करवाते हैं तब भी रोटी के लिये पैसे नहीं देते।"

सुरक्षा कर्मी : " घोड़ा रोड़, गुड़गाँव में कार्यालय वाली ***एस एल वी सेक्युरिटी*** हर गार्ड से जबरन 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करवाती है। साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे पर 30 दिन के 4500-6000 रुपये। छोड़ने पर ड्युटी किये 15 दिन के पैसे नहीं देते।"

गार्ड : " यू जी 15-16 वेस्टएण्ड प्लाजा कॉम्पलैक्स, कापसहेड़ा, दिल्ली में कार्यालय वाली ***आर आर ग्रुप सेक्युरिटी*** कम्पनी सुरक्षा कर्मियों से 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करवाती है। साप्ताहिक अवकाश नहीं। रोज 12 घण्टे ड्युटी पर 30 दिन के गार्ड को 4500 रुपये देते हैं। ई.एस.आई. व पी.एफ. के नाम से हर महीने 500 रुपये काटते हैं पर ई.एस.आई. कार्ड नहीं देते और छोड़ने पर फण्ड नहीं मिलता।"

वी एक्स एल टैक्नोलॉजीज.... *(पेज दो का शेष)*

2-3 मशीन चलाने के लिये दबाव। नवम्बर में 150-200 कैजुअल वरकर निकाले और 8-8 घण्टे की दो शिफ्ट की। दो दिसम्बर को 10 स्टाफ वर्कमैन को इस्तीफा अथवा बरखास्तगी में से चुनने को कह कर 4 दिसम्बर को जबरन हिसाब दे दिया। फिर 12 दिसम्बर को 11 सी एन सी ऑपरेटरों को कोलकात्ता जाने या इस्तीफे में चुनने को कहा। कोलकात्ता में फैक्ट्री नहीं है, मशीनें यहाँ हैं, कोलकात्ता में क्या करेंगे के उत्तर में मैनेजमेन्ट ने 18 दिसम्बर को उन्हें फैक्ट्री से बाहर कर दिया। आठ घण्टे की एक शिफ्ट की – 5 में एक को पूरा काम दे कर 4 को खाली बैठाने लगे। पाँच जनवरी को स्थानान्तरण-पत्र को हथियार बना 5 मजदूरों को बाहर किया। दिसम्बर की तनखा 15 जनवरी को जा कर दी। चार फरवरी को 4 को निलम्बन-पत्र और 16 को ट्रान्सफर-पत्र द्वारा बाहर करना। पाँच फरवरी को सुबह 6 महिला मजदूरों के साथ प्रबन्धकों द्वारा दुर्व्यवहार और इस पर मैनेजरों की पिटाई..... कम्पनी तीन वर्ष से घाटा बता रही है। मजदूरों को दिवाली पर बोनस नहीं दिया। दो वर्ष से वार्षिक वेतन बढोतरी नहीं दी। जबकि हाल ही में साहबों के लिये 5 बहुत कीमती गाड़ियां खरीदी, एक मैनेजर की तनखा 10 मजदूरों की तनखा के बराबर है और .... और फैक्ट्री में 42 मैनेजर हैं। काम नहीं है कह रही मैनेजमेन्ट नियमों के विपरीत अस्सी प्रतिशत कार्य फैक्ट्री के बाहर करवा रही है, 50 वेन्डरों से करवा रही है। श्रम अधिकारी, उप श्रमायुक्त, श्रमायुक्त, श्रम मन्त्री, पुलिस उपायुक्त को शिकायतें। तारीख पर तारीख – मजदूरों की कहीं कोई सुनवाई नहीं। तीन वर्षीय दीर्घकालीन समझौते के लिये यूनियन ने सितम्बर 09 में सामान्य माँग-पत्र दिया था। उस पर प्रबन्धक बात ही नहीं कर रहे। तीन जनवरी से काली पट्टी। चार फरवरी से टूल डाउन।"

हरियाणा सरकार द्वारा 1 जनवरी से देय महंगाई भत्ते (डी ए) की घोषणा फरवरी आरम्भ तक नहीं।

दिल्ली सरकार द्वारा भी डी ए की घोषणा फरवरी आरम्भ तक नहीं।

महीने में एक बार छापते हैं, 7000 प्रतियाँ निःशुल्क बाँटने का प्रयास करते हैं। मजदूर समाचार में आपको कोई बात गलत लगे तो हमें अवश्य बतायें, अन्यथा भी चर्चाओं के लिए समय निकालें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए जे0 के0 आफसैट दिल्ली से मुद्रित किया।

RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73-2011